फसल को बचाने करंट प्रवाहित तार का हो रहा उपयोग

करंट की चपेट में आने से संजय टाइगर रिजर्व के वन्य जीवों की हो रही मौत, करंट लगने से बाघ की मौत की विवेचना में जुटी टाइगर रिजर्व टीम

नवभारत फाओअप

नवभारत न्यूज

सीधी 20 अगस्त। संजय टाईगर रिजर्व क्षेत्र में आबाद राजस्व ग्राम के रहवासियों द्वारा फसलों को बचाने के लिये करंट प्रवाहित तार का उपयोग बेखौफ होकर किया जा रहा है। लिहाजा करंट प्रवाहित तार की चपेट में आने से अभी बाघ टी-43 की दर्दनाक मौत हो चुकी है वहीं अन्य वन्य जीवों की मौत भी करंट से हो रही है।

संजय टाईगर रिजर्व में दिनांक 19 अगस्त 2025 को रात्रि 12.05 बजे दुबरी परिक्षेत्र की खरबर बीट में 1 बाघ मृत पाया गया था। सूचना प्राप्त होते ही दुबरी परिक्षेत्र के अधिकारी/कर्मचारी मौके पर पहुंचे एवं घटना की सूचना वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई। घटना दुबरी परिक्षेत्र के डेवा वृत्त की बीट खरबर के कक्ष क्रमांक 509 की थी। मृत नर बाघ की पहचान टी-43 के रूप में की गई। बाघ के सभी अंग सुरक्षित पाये गये थे। प्राथमिक जांच में बाघ की मृत्यु ग्रामीणों द्वारा फसल बचाने के लिए लगाये गये बिजली के तार में फंसने से होना प्रतीत माना गया।

वन्यप्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत वन अपराध प्रकरण क्रमांक 562/18 दिनांक 19.08.2025 जारी कर प्रकरण में विवेचना की जा रही। क्षेत्रीय ग्रामीणों का कहना है कि बाघ की करंट से मौत के बाद से विवेचना को लेकर संजय टाईगर रिजर्व के बड़े अधिकारी स्वयं मौके पर कैम्प कर रहे हैं और ऐसे लोगों की तलाश में जुटे हुये हैं जिनके करंट लगाने से बाघ की मौत हुई है। वन टीम द्वारा अपराधियों को चिन्हित करने के लिये खोजी कुत्ता का सहारा लिया जा रहा है। खोजी कुत्ता जिस भी ग्रामीण के घर तक पहुंच रहे हैं उनको संदिग्ध मानते हुये पूंछतांछ के लिये अधिकारियों द्वारा अपने सामने तलब किया जा रहा है। दर्जनों संदिग्धों से वन टीम द्वारा पूंछतांछ की जा चुकी है। बताया जा रहा है कि पूंछतांछ के दौरान टीम को कुछ अहम सुराग मिले हैं। जल्द ही संजय टाईगर रिजर्व टीम द्वारा बाघ की करंट से हुई मौके के मामले में खुलाशा किया जायेगा। साथ ही आरोपियों की गिरफ्तारी भी कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जायेगा। इस मामले में विवेचना काफी तेजी से चल रही है।

प्रोटोकॉल से हुआ बाघ का अंतिम संस्कार

बाघ टी-43 का पोस्टमार्टम तीन डॉक्टरों के दल द्वारा मंगलवार को किया गया था। अग्रिम फॉरेंसिक जॉच हेतु बाघ का विसरा एकत्रित किया गया था। पूरे प्रोटोकॉल के तहत बाघ का अंतिम संस्कार आग लगाकर किया गया। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण के प्रोटोकॉल के अनुसार अमित कुमार दुबे क्षेत्र संचालक संजय टाइगर रिजर्व सीधी, कैलाश तिवारी प्रतिनिधि एनटीसीए एवं अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में बाघ के शव को जलाकर नष्ट किया गया।

बाघ सरंक्षण को लेकर चिंताएं

संजय टाईगर रिजर्व क्षेत्र सीधी में जिस तेजी के साथ बाघ का कुनबा बढ़ रहा है उससे खुशी होना लाजिमी है। खेद की बात यह है कि बाघों की अकाल मौत भी संजय टाईगर रिजर्व क्षेत्र में हो रही है। इसका सबसे बड़ा कारण ग्रामीणों द्वारा फसलों को बचाने के लिये अवैध रूप से लगाये जा रहे करंट हैं, साथ ही क्षेत्र के कुछ लोग वन्य जीवों का शिकार करने के लिये भी करंट का उपयोग वन क्षेत्र के अंदर कर रहे हैं। यह सभी बातें बाघ संरक्षण को लेकर काफी चिंता वाली हैं।

हाई और हायर सेकण्डरी स्कूल की त्रैमासिक परीक्षा समय सारणी जारी

28 अगस्त से शुरू होंगी परीक्षाएं

नवभारत न्यूज

सीधी 20 अगस्त। प्रदेश के शासकीय स्कूलों में इस वर्ष कक्षा 9वीं से कक्षा 12वीं तक की त्रैमासिक परीक्षाएं 28 अगस्त से शुरू हो रही है। इस संबंध में आयुक्त लोक शिक्षण संचालनालय ने समस्त संभागीय संयुक्त संचालक और जिला शिक्षा अधिकारी को दिशा निर्देश जारी किये है।

परीक्षाएं हाई-हायर सेकण्डरी स्कूल की 28 अगस्त से शुरू होंगी। यह परीक्षाएं 9 सितम्बर तक सम्पन्न हो जायेंगी। त्रैमासिक परीक्षा के प्रश्न पत्र विमर्श पोर्टल पर भेजे जायेंगे। इससे राज्य स्तर पर परीक्षा पेपर की गुणवत्ता सुनिश्चित हो सकेंगी। निर्देशों में कहा गया है कि अभिभावकों और शिक्षकों की मीटिंग (पीटीएम) आयोजित करने के लिये कहा गया है। यह मीटिंग सभी स्कूलों में 16 सितम्बर को होंगी। मीटिंग में बच्चों के अभिभावकों को उत्तर पुस्तिकाओं का अवलोकन कराया जायेगा। इस व्यवस्था के लिये संयुक्त संचालक एवं डीईओ को अलग-2 दल गठित कर न्यूनतम 10-10 स्कूलों का निरीक्षण करने के लिये कहा गया है। त्रैमासिक परीक्षा के परिणाम 20 सितम्बर तक विमर्श पोर्टल पर प्रविष्ट करने के लिये भी कहा गया है। परीक्षा की समय सारणी स्कूलों के नोटिस बोर्ड पर चस्पा करने के लिये भी कहा गया है।

वर्ष 2026-27 में अपार आईडी होगी अनिवार्य

माध्यमिक शिक्षा मण्डल की हाई स्कूल और हायर सेकण्डरी परीक्षा सत्र वर्ष 2026-27 अपार आईडी व्यवस्था अनिवार्य की गई है। मण्डल की समस्त परीक्षाओं के फॉर्म में यूडीआईएसई पोर्टल पर आधारित विद्यार्थियों के लिये स्थाई शैक्षणिक आईडी (अपार) ऑटोमेटेड परमानेंट एकेडमिक एकाउण्ट को अनिवार्य किया गया है। इस शैक्षणिक सत्र वर्ष 2025-26 के लिये कक्षा 9वीं से 12 में भरे जाने वाले आवेदन पत्रों में अपार आईडी को वैकल्पिक किया गया है। आगामी सत्र वर्ष 2026-27 में यह व्यवस्था अनिवार्य होगी।

सांसद ने मंत्रिपरिषद का किया आभार व्यक्त

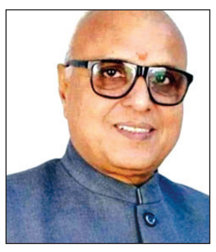

नवभारत न्यूज

सीधी 20 अगस्त। मंत्रि-परिषद द्वारा जनजातीय कार्य विभाग अंतर्गत संचालित महाविद्यालयीन छात्रावासों में मैस संचालन के लिये 10 माह के स्थान पर 12 माह के लिए शिष्यवृत्ति दिये जाने का निर्णय लिया गया है।

यह शिष्यवृत्ति छात्रावासों में विद्यार्थियों की उपस्थिति के आधार पर दी जायेगी। वर्तमान में छात्र को 1650 रूपये प्रतिमाह और छात्राओं को 1700 रूपये प्रतिमाह शिष्यवृत्ति दी जाती है। सांसद डॉ.राजेश मिश्रा ने सभी छात्र- छात्राओं की तरफ से मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि उनके द्वारा अनुसूचित जनजाति छात्र छात्राओं के लिए छात्रावासों में 12 माह भोजन की व्यवस्था कराने का म.प्र. के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव से अनुरोध किया गया था। मध्यप्रदेश कैबिनेट ने मांग को स्वीकार करते हुए अभिनंदनीय निर्णय लिया है।

चुरहट खाद केन्द्र में यूरिया की किल्लत, किसानों में गहरी नाराजगी

नवभारत न्यूज

सीधी 20 अगस्त। कृषि कार्य के चरम समय में यूरिया खाद की किल्लत से किसान गहरे संकट में हैं। आज भारतीय मजदूर संघ के जिला उपाध्यक्ष विकाश नारायण तिवारी ने चुरहट खाद केंद्र का दौरा कर श्रमिकों और किसानों से चर्चा की। कर्मचारियों ने स्पष्ट किया कि इस समय केन्द्र पर यूरिया खाद उपलब्ध नहीं है जिससे किसानों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

किसानों का कहना है कि चुरहट ही नहीं बल्कि पूरे जिले में खाद की कमी बनी हुई है। बुवाई और सिंचाई के इस अहम समय में खाद न मिलने से फसलें प्रभावित हो रही हैं और किसानों को भारी आर्थिक नुकसान का डर सता रहा है। इस मौके पर कृषि एवं ग्रामीण मजदूर संघ के संभागीय अध्यक्ष वीरभान सिंह ने कहा कि यूरिया की अनुपलब्धता से किसान परेशान हैं। सरकार और विभाग तुरंत आपूर्ति सुनिश्चित करें वरना फसलें बर्बाद हो जाएंगी। कालाबाज़ारी और जमाखोरी करने वालों पर भी कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। किसानों ने बताया कि कई बार केन्द्रों पर घंटों लाइन लगाने के बाद भी उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ता है। भारतीय मजदूर संघ के जिला उपाध्यक्ष ने भी प्रशासन से अपील करते हुए कहा कि किसानों की तकलीफ को गंभीरता से लिया जाए और पूरे जिले में खाद की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए ताकि कृषि कार्य बाधित न हो। किसान संगठनों और मजदूर संघों ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द ही समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

विश्व मच्छर दिवस पर चलाया गया जागरुकता अभियान

नवभारत न्यूज

कुसमी 20 अगस्त। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र अंतर्गत जिला मलेरिया अधिकारी हरिओम सिंह एवं खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ.सुधीर गुप्ता के निर्देश पर बारिश के दिनों में विद्यालयों एवं आम जनता के बीच पहुंचकर विश्व मलेरिया दिवस पर मच्छरों से बचने के सुझाव एवं उन्हें जागरुक किया गया है।

वहीं डॉ.दीपक सिंह ने लोगों के बीच जानकारी साझा करते हुये कहा है कि बारिश में मलेरिया, डेंगू, फैलेरिया, चिकनगुनिया से बचे रहने की जरूरत है। इसके लिए मच्छरों से पूरी तरह से बचाव करना जरूरी है। हर साल 20 अगस्त को विश्व मच्छर दिवस मनाया जाता है ताकि मच्छरों की पैदावार को रोकने के लिए लोगों को जागरूक किया जा सके।इन कायक्रमों मे विभाग से सुन्दर सिंह, शाहरुख खान, विनय पाण्डेय, सी.एल.साकेत, शारदा तिवारी, शिवानी सोनी, रानी पटेल, चेतना शर्मा एवं जूरी विद्यालय से दीनेन्द्र प्रताप सिंह, अजय नामदेव, सोनू कोरी सहित समस्त स्टाफ एवं छात्र उपस्थित रहे।

भुईमाड़ विद्यालय में दो दिवसीय जिला स्तरीय खेल विधा हुई प्रारंभ

नवभारत न्यूज

कुसमी 20 अगस्त। जनजातीय कार्य विभाग आयुक्त श्रीमंत शुक्ल, कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी एवं जनजातीय कार्य विभाग के सहायक आयुक्त जे.एस.उईके के निर्देशन में सीधी जिले के आदिवासी विकासखंड कुसमी के वनांचल क्षेत्र के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भुईमाड़ में भुईमाड़ संकुल प्राचार्य सुजीत कुमार सिंह, जिला क्रीड़ा अधिकारी डॉ.राकेश सिंह चौहान की उपस्थिति में बुधवार को दो दिवसीय विभागीय जिला स्तरीय क्रीड़ा प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया।

जिसमें प्रथम दिवस विधा आर्चरी, योगा, बैडमिंटन, शतरंज, कुश्ती, रोप स्पीकिंग सहित विभिन्न विधाएं कराये गये। इसी के साथ आज गुरूवार को कबड्डी, बॉलीवाल सहित विभिन्न विधाओं का आयोजन किया जाएगा। जिसमें में कुसमी विकासखंड़ के विद्यालयों के छात्राओं ने खेल प्रतियोगिता में हिस्सा लिया एवं आज भी विभिन्न विद्यालयों से छात्र-छात्रा हिस्सा लेंगे। बता दें कि यहां से चयनित प्रतिभागियों को क्षेत्र स्तरीय प्रतियोगिता उमरिया, अनूपपुर, शहडोल आदि जिलों शामिल होगें। प्रतियोगिता कराने में केशलार प्राचार्य राम लल्लू पनिका, पुरैइनडोल प्राचार्य अजीत सिंह, वरिष्ठ शिक्षक अंजनी लाल यादव, रोशनलाल कोल, सोनगढ़ राजमणी साकेत, अधीक्षक सूर्यप्रताप सिंह, चेतमणि कुशवाहा, भीमलाल विश्वकर्मा, सुभग कुमारी सिंह, राजकुमार बैस, धर्मेन्द्र सिंह, पंकज हरिजन, पवन पनिका, संतोष पनिका विवेक सिंह सहित विभिन्न शिक्षक व गंगा बैगा, बलजीत पनिका सहित अन्य स्टाफ उपस्थित रहकर सहयोग किये।

बीड़ी और खनन श्रमिकों को सरकार देगी सहयोग

सीधी 20 अगस्त। शैक्षणिक सत्र-2025-26 के लिए शिक्षा के लिये वित्तीय सहायता योजना के अंतर्गत मान्यता प्राप्त शिक्षण-संस्थाओं में अध्ययनरत प्रदेश के बीड़ी, चूना पत्थर एवं डोलोमाट और लौह-मैग्रीज-क्रोम अयस्क खनन श्रमिक एवं उनके पुत्र-पुत्रियों को शिक्षा के लिये कक्षा एक से उच्च शिक्षा तक छात्रवृत्ति की राशि रूपये 1000 से 25000 स्वीकृत की गई है। योजनांतर्गत लाभ प्राप्त करने के लिये पात्र विद्यार्थियों के लिए नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया 02.06.2025 से प्रारम्भ हो चुकी है। इसकी अंतिम तिथि प्री-मेट्रिक के लिये 31 अगस्त 2025 एवं पोस्ट मेट्रिक के लिये 31 अक्टूबर 2025 निर्धारित है। छात्रवृत्ति के लिये आवेदन करने के लिए ओटीआर (वन टाइम रजिस्ट्रेशन) और फेस ऑथेंटिकेशन प्रक्रिया पूरी करना अनिवार्य है। आवेदन की पात्रता व संबंधित अन्य जानकारी/शर्तें नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल पर उपलब्ध है। ऑनलाइन आवेदन के साथ आवश्यक दस्तावेजों को स्कैन कर अपलोड करें जो कि स्पष्ट और पठनीय हो। ऑनलाइन आवेदन करने संबंधी अन्य किसी भी प्रकार की जानकारी के लिये जबलपुर मुख्यालय के दूरभाष तथा कल्याण प्रशासक कार्यालय, इन्दौर के दूरभाष पर संपर्क स्थापित किया जा सकता है।

गुणवत्ता पूर्ण प्रशिक्षण के लिए तकनीक में नवीनता जरूरी : मंजू

दो दिवसीय क्षमता संवर्धन कार्यशाला का आयोजन

नवभारत न्यूज

सीधी 20 अगस्त। किसी भी प्रशिक्षण का बाजार की मांग के अनुरूप होना आवश्यक है जिससे वह रोजगारपरख बन सके और आय का जरिया साबित हो। इसके लिए आवश्यक है की उसमें समय समय पर नवीन तकनीक का समावेश होता रहे ताकि उसमें बदलते परिवेश के साथ नवीनता बनी रहे।

यह विचार जन शिक्षण संस्थान सीधी के सभागार में आयोजित कर्मचारियों एवं अनुदेशकों हेतु दो दिवसीय क्षमता संवर्धन कार्यशाला के उदघाटन के अवसर पर संस्थान की अध्यक्ष मंजू सिंह ने व्यक्त किया। अध्यक्ष द्वारा समापन के अवसर पर ब्यूटी केयर असिस्टेंट, असिस्टेंट ड्रेस मेकर तथा असिस्टेंट कंप्यूटर आपरेटर के पूर्व प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्रों का वितरण भी किया गया। इस कार्यशाला में वर्षा ब्यूटी केयर, आईटीआई एवं वर्ल्ड विजन के प्रशिक्षकों द्वारा कर्मचारियों एवं अनुदेशकों को प्रशिक्षण की नवीन तकनीक के संबंध में विधिवत जानकारी दी गई तथा नवीनता लाने के कई तरीके बताए गए साथ ही बाजार सर्वे तथा गुणवत्तापूर्ण उत्पाद तैयार किए हेतु जानकरी दी गई, जिससे उनकी बाजार में मांग बढ़े और वह आय का जरिया बन सकें।

प्रशिक्षण के दौरान उत्पाद की विधिवत मार्केटिंग कैसे करे तथा आनलाइन मार्केटिंग कैसे की जाय इस पर भी जानकारी दी गई। संस्थान के निदेशक जय सिंह द्वारा प्रतिभागियों से यह अपील की गई की प्रशिक्षण शासन की मंशा के अनुरूप होना चाहिए तथा प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण की हर वह संभव जानकारी दी जाय जो उनके हित में हो ताकि वो उसका भरपूर लाभ ले सकें। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी सुस्मिता द्विवेदी ने किया तथा कार्यशाला के आयोजन में संस्थान के कार्यक्रम अधिकारी बृजेन्द्र सिंह, सहायक कार्यक्रम अधिकारी राकेश सिंह, संतोष केवट, क्षेत्र सहायक रामसुन्दर साकेत, रिंकेश साहू, एवं रेखा सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

आकाशीय बिजली गिरने से बुजुर्ग एवं 7 बकरियों की मौत

नवभारत न्यूज

रामपुर नैकिन 20 अगस्त। आकाशीय बिजली गिरने से एक बुजुर्ग एवं 7 बकरियों की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ घटना स्थल पर जमा हो गई।

मिली जानकारी के अनुसार तहसील एवं थाना रामपुर नैकिन अंतर्गत ग्राम पंचायत चोभरा दिग्विजय सिंह में बारिश के साथ अचानक बिजली गिरने से बकरियों को चराने ले गये बुजुर्ग किसान एवं उसकी 7 बकरियों की मौत हो गई। ग्रामीणों के अनुसार आज दोपहर ग्राम पंचायत चोभरा दिग्विजय सिंह निवासी बैजनाथ यादव पिता ठाकुरदीन यादव उम्र 70 वर्ष अपनी बकरियों को घर से चराने उत्तर तरफ खेत में गये थे। उसी दौरान अचानक बारिश शुरू हो गई, बारिश से बचने के लिये बैजनाथ यादव अपनी बकरियो के साथ पलाश के पेड़ के नीचे खड़े थे उसी दौरान अचानक आकाशीय बिजली गिरी और सभी की मौत हो गई।

रीता सोनी बनीं प्रदेश उपाध्यक्ष

नवभारत न्यूज

सीधी 20 अगस्त। पिछड़ा वर्ग महापंचायत म.प्र. के प्रदेशाध्यक्ष राजेश विश्वकर्मा की सहमति एवं अनुशंसा पर सीधी की श्रीमती रीता सोनी को महिला प्रकोष्ठ का प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

वहीं श्रीमती रीता सोनी द्वारा कहा गया है कि प्रदेश स्तर मे जो महत्वपूर्ण जिम्मेवारी मुझे सौपी गयी है जिम्मेवारी का पूर्ण निर्वाहन करेंगे और संघठन को मजबूत शक्तिशाली करने के लिए पूर्ण सहयोग करेंगे। श्रीमती रीता सोनी को प्रदेश उपाध्यक्ष बनाये जाने पर उनके शुभचिंतको द्वारा बधाई शुभकामनाये प्रेषित किया गया है। रीता सोनी द्वारा प्रदेशध्यक्ष राजेश विश्वकर्मा व महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती बबिता परमार के प्रति आभार प्रकट किया गया है।

जिले के 47 आयुर्वेद औषधालयों में डॉक्टरों की नहीं है पदस्थापना

जिले के आयुष चिकित्सा पर लगा ग्रहण, शहर से लेकर गांव तक आयुष चिकित्सा के नाम पर कागजी खानापूर्ति

नवभारत न्यूज

सीधी 20 अगस्त। जिले में आयुष चिकित्सा को पूरी तरह से ग्रहण लगा हुआ है। जिले में 59 आयुर्वेद औषधालयों का संचालन किया जा रहा है। इनमें महज 12 चिकित्सकों की पदस्थापना ही होने के कारण 47 आयुर्वेद औषधालयों का संचालन बिना डॉक्टरों के ही किया जा रहा है। डॉक्टर विहीन औषधालयों के कम्पाउंडर एवं औषधि सहायकों के सहारे ही मरीजों का उपचार करने की व्यवस्था बनाई गई है।

सीधी जिले में डॉक्टरों की कमी के चलते अर्से से आयुर्वेद औषधालयों की व्यवस्थाएं पटरी से उतरी हुई हैं। जिन क्षेत्रों में आयुर्वेद औषधालय संचालित हैं उनका ताला भी अनियमित रूप से खुलता है। सुदूर क्षेत्रों में तो स्थिति यह है कि यह अक्सर ताले में ही कैद नजर आते हैं। सीधी जिले में शासन की महत्वपूर्ण आयुर्वेद चिकित्सा महज कागजों में ही सिमटकर रह गई है। आयुर्वेद औषधालयों में जब तक डॉक्टरों की पदस्थापना नहीं होगी और इनका संचालन नियमित रूप से नहीं होगा मरीजों को कोई लाभ नहीं मिलेगा। यदि कोई मरीज आयुर्वेद चिकित्सा के लिए नजदीकी औषधालयों में जाता है तो यहां डॉक्टर ही नहीं मिलते। कम्पाउंडर या सहायक द्वारा मरीज के मर्ज के संबंध में जानकारी देकर कुछ दवाइयां पकड़ा दी जाती हैं। आयुर्वेद औषधालयों का मनमानी संचालन होने से लोगों का आयुर्वेद चिकित्सा को लेकर तेजी से मोह भंग हो रहा है।

जानकारों का कहना है कि सीधी जिले में लंबे अरसे से आयुर्वेद औषधालयों का संचालन नियमित रूप से नहीं हो रहा है। लिहाजा मरीज भी उपचार के लिए यहां नहीं जाते। इसका पूरा-पूरा लाभ औषधालयों में पदस्थ अमला उठा रहा है। ऐसा आभास होता है कि आयुर्वेद औषधालयों का संचालन महज कर्मचारियों को बिना काम किए वेतन देने का साधन बनकर रह गया है। आयुर्वेद औषधालयों का औचक निरीक्षण न होने के कारण यहां पदस्थ कर्मचारी भी मनमौजी ड्यूटी करने के आदी हो चुके हैं। कुछ कर्मचारी तो सप्ताह में एक दिन ही हस्ताक्षर करने के लिए औषधालय जाते हैं। औषधालय भी समय पर नहीं खुलते। यदि खुलते भी हैं तो एक-दो घंटे में ही बंद हो जाते हैं। जिसके चलते यहां मरीज ही नहीं जाते।

शासकीय आयुष औषधालय उपनी ताले में कैद

राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 39 सीधी-सिंगरौली मार्ग में जिला मुख्यालय के समीपी शासकीय आयुष औषधालय उपनी स्थित है। आसपास के ग्रामीणों का कहना है कि यह औषधालय कभी-कभार एक घंटे के लिए खुलती है। कब खुलेगी यह निश्चित नहीं रहता। औषधालय में कितने कर्मचारी हैं इसकी जानकारी किसी को नहीं हैं। डॉक्टर मिलते नहीं हैं, कभी-कभार कम्पाउंडर नजर आते हैं। यदि कोई भूले-भटके यहां मरीज गया तो उसको मर्ज पूंछकर कुछ दवा पकड़ा दी जाती है। औषधालय से मिलने वाली दवाएं भी कोई असर नहीं करती। इसी वजह से मरीज बीमार पड़ने पर यहां उपचार कराने के लिए नहीं जाते। औषधालय का कभी निरीक्षण न होने से यहां पदस्थ कर्मचारी भी मनमौजी ड्यूटी करने के आदी हैं।

इनका कहना है

जिले में महज 12 आयुर्वेद औषधालयों में ही डॉक्टरों की पदस्थापना है। शेष औषधालयों में डॉक्टरों की पदस्थापना न होने से उपलब्ध संसाधनों पर मरीजों का उपचार सुनिश्चित करने की व्यवस्थाएं बनाई गई हैं। डॉक्टरों की कमी के संबंध में लगातार शासन स्तर पर पत्राचार किया जा रहा है। डॉक्टरों की कमी के चलते इसका असर भी देखने को मिल रहा है।

डॉ.बैजनाथ प्रजापति, जिला आयुष अधिकारी